1 हम भारत के भरत

हम भारत के भरत खेलते, शेरों की संतान से।
कोई देश नहीं दुनिया में, बढ़कर हिन्दुस्तान से।।
इस मिट्टी में पैदा होना, बड़े गर्व की बात है।
साहस और वीरता अपने, पुरखों की सौगात है।।

बड़ी–बड़ी ज्वालाओं से कम, नहीं यहाँ चिनगारियाँ।
काँटे पहले, फूल बाद में, देती हैं फुलवारियाँ।।
कभी दहकते, कभी महकते, जीते–मरते शान से।
कोई देश नहीं दुनिया में, बढ़कर हिन्दुस्तान से।।

कूद समर में आगे आए, जब भी हम ललकारने।
उँगली दाँतों तले दबाई, अचरज से संसार ने।।
सदियों से बनते आए हैं, हम पन्ने इतिहास के।
त्याग और बलिदान हमारे व्रत हैं बारह मास के।।
जब भी निकला हीरा निकला, यहाँ किसी भी खान से।
कोई देश नहीं दुनिया में, बढ़कर हिन्दुस्तान से।।

यह धरती जो माँ है अपनी, हमें जान से प्यारी है।
हर बालक के जिम्मे इसकी, चौकस पहरेदारी है।।
बोलो–मेहनत खूब करेंगे, कठिन परीक्षा आई है।
माँ का दूध पिया जो है, सौगंध उसी की खाई है।।
इसी उम्र में परिचय पा लें, हम श्रम से, बलिदान से।
कोई देश नहीं दुनिया में बढ़कर हिंदुस्तान से।।

अभ्यास–कार्य

शब्द–अर्थ

संतान	–	औलाद, संतति
सौगात	–	भेंट, उपहार
पुरखों	–	पूर्वजों
दहकना	–	दुखी होना, तपना, धधकना
समर	–	युद्ध
अचरज	–	आश्चर्य
व्रत	–	संकल्प, नियम, उपवास
चौकस पहरेदारी	–	सावधानी के साथ रखवाली करना

उच्चारण के लिए

व्रत, पुरखों, ज्वालाओं, श्रम, हिन्दुस्तान, सौगंध, चिनगारियाँ

सोचें और बताएँ

1. भरत किससे खेलते थे ?
2. पुरखों की सौगात क्या है ?
3. हमें जान से प्यारी क्या है ?

लिखें

1. सही उत्तर के शब्द का क्रमाक्षर छाँटकर कोष्ठक में लिखें।

   (क) सौगात का अर्थ होता है –

(अ)	सोगरा	(ब)	सागर	
(स)	उपहार	(द)	सौगंध	( )

   (ख) एक वर्ष में महीनों की संख्या होती है –

(अ)	दस	(ब)	सात	
(स)	बारह	(द)	नौ	( )

2. इस कविता में से वे पंक्तियाँ छाँटकर लिखो, जिनका अर्थ है –

   (अ) चिनगारियाँ ज्वालाओं से कम नहीं हैं।

   (ब) हमारे काम इतिहास का हिस्सा बनते रहे हैं ।

   (स) हम धरती को माँ समान प्यार करते हैं ।

   (द) कठिन परीक्षा में मेहनत करने की आवश्यकता है ।
3. हमारे लिए सबसे अधिक गर्व की क्या बात है ?
4. फुलवारियों से हमें क्या–क्या मिलता है ?
5. कविता में हमारे कौनसे व्रतों की बात कही गई है ?
6. बालकों की क्या ज़िम्मेदारी है ?
7. इतिहास के पन्नों में लिखी हुई कौनसी बातें हैं ?

भाषा की बात

- बोलकर अंतर कराएँ

  हंस–हँस, चाँद–चंदा, अंगना–आँगन, पूँछ–पूछ, रंग–रँगा

- नीचे लिखे शब्दों को एकवचन में लिखें

चिंगारियाँ	–	चिंगारी	दवाइयाँ	–	––––––
फुलवारियाँ	–	––––––	मिठाइयाँ	–	––––––
सवारियाँ	–	––––––	तैयारियाँ	–	––––––
क्यारियाँ	–	––––––	सलाइयाँ	–	––––––
बिवाइयाँ	–	––––––	चटाइयाँ	–	––––––

- नीचे दिए गए शब्दों में से पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्द छाँटकर लिखें।
  मिट्टी, उँगली, हीरा, बालक, परीक्षा, दूध
  जो शब्द स्त्री अथवा पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे "लिंग" कहलाते हैं। लिंग दो प्रकार के होते हैं : (1) स्त्रीलिंग (2) पुल्लिंग

यह भी करें

- हम बालक अपने देश की सेवा के रूप में कौन–कौनसे कार्य कर सकते हैं, चर्चा करें।
- आपके आस–पास देश सेवा करने वालों / देशभक्तों के बारे में जानें व कक्षा में चर्चा करें।
- भारतीय व अंग्रेजी महीनों के नाम लिखें।
- इन महीनों में आने वाले व्रत व त्योहारों के बारे में जानें।
- कविता को मौखिक रूप से याद कर अपनी कक्षा या प्रार्थना सभा में हाव–भाव के साथ सुनाएँ।

मेरा संकलन

अपने आस–पास के किसी ऐतिहासिक / पौराणिक या आधुनिक स्थल अथवा घटना का चित्र या विवरण 'मेरा संकलन' में संकलित करें।

क्र.सं.	ऐतिहासिक	विवरण / चित्र
1	ऐतिहासिक स्थल	
2	इतिहास पुरुष	
3	आविष्कार	
4	घटनाएँ	

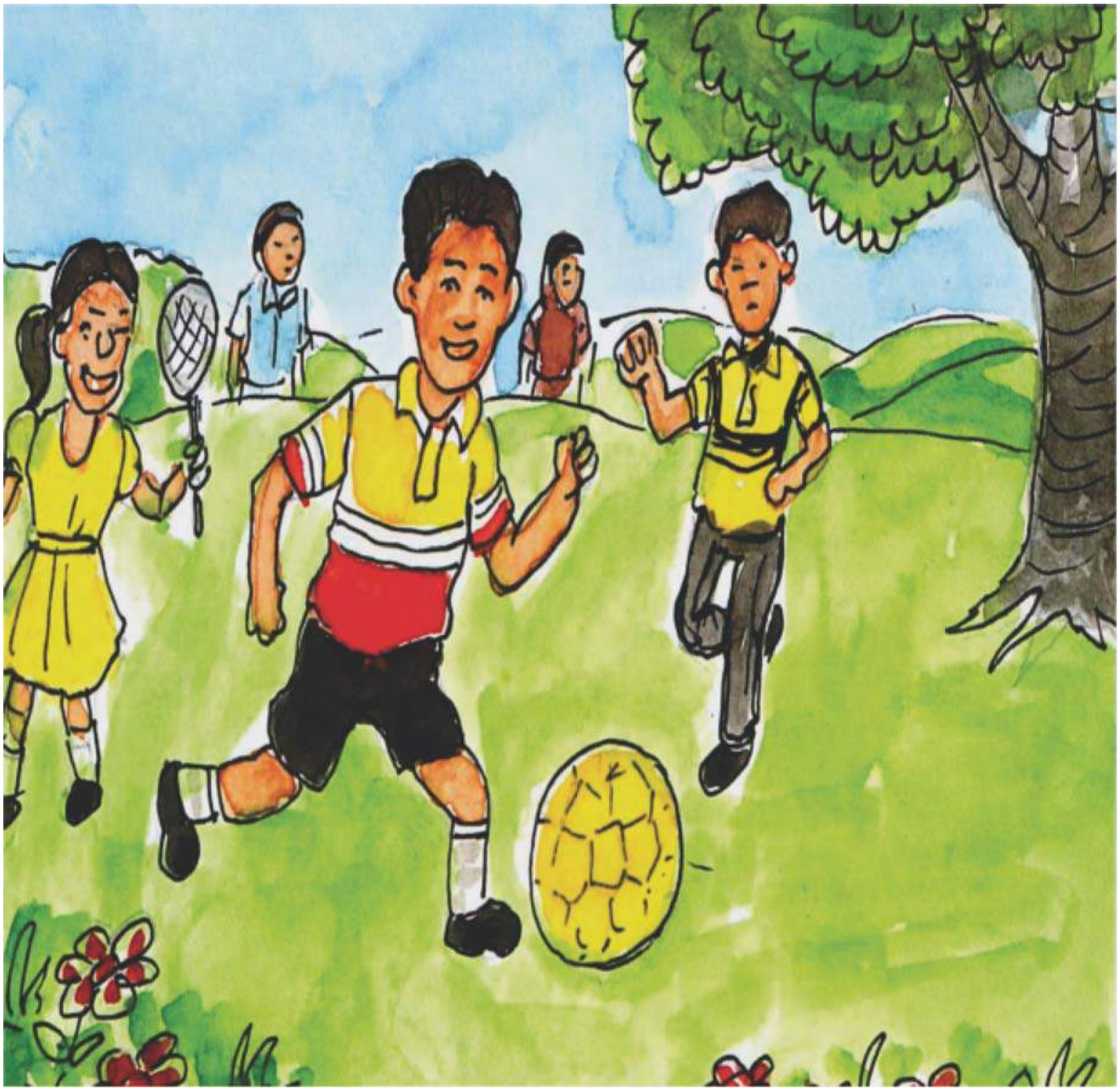

निज राष्ट्र के शरीर के श्रृंगार के लिए। तुम कल्पना करो, नवीन कल्पना करो।